ध्वनि

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल वसंत-
अभी न होगा मेरा अन्त ।

हरे-भरे ये पात
डालियाँ, कलिगा कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर
फेरूँगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूप मनोहर।

Question 1.
'अभी न होगा मेरा अन्त' का क्या आशय है ?
(a) में अभी नहीं मरूँगा
(b) मेरा अन्त कभी नहीं होगा
(c) मुझमें अभी बहुत सारा रचनात्मक कार्य करने की शक्ति मौजूद है
(d) मेरा अन्त थोड़ी देर बाद होगा

▼ Answer

Answer: (c) मुझमें अभी बहुत सारा रचनात्मक कार्य करने की शक्ति मौजूद है।

Question 2.
'मेरे वन में मृदुल वसंत' का क्या आशय है ?
(a) मेरे वन में मृदुल वसंत का मौसम है
(b) वन में मृदुल वसंत की तरह मेरे जीवन में भी नई-नई आशाओं का संचार हुआ है
(c) वसंत का मौसम केवल वन में आता है
(d) वसंत का मौसम केवल एक बार आता है

▼ Answer

Answer: (b) वन में मृदुल वसंत की तरह मेरे जीवन में भी नई-नई आशाओं का संचार हुआ है।

Question 3.
कवि कलियों पर किस प्रकार का हाथ फेरेगा ?
(a) कठोरता से भरा
(b) लापरवाही से भरा
(c) भारी-भरकम
(d) कवि का हाथ किसी के सपने की तरह कोमल है

▼ Answer

Answer: (d) कवि का हाथ किसी के सपने की तरह कोमल है।

Question 4.
'निद्रित कलियों' से क्या तात्पर्य है ?
(a) वह युवा वर्ग, जो अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत नहीं है
(b) सोई हुई कलियाँ
(c) मुरझाई हुई कलियाँ
(d) बेहोश कलियाँ

▼ Answer

Answer: (a) वह युवा वर्ग, जो अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत नहीं है।

Question 5.
कवि कैसा सवेरा जगाना चाहता है ?
(a) मस्ती वाला
(b) सुलाने वाला
(c) कवि मनोहर सवेरा जगाना चाहता है
(d) धूप वाला

▼ Answer

Answer: (c) कवि मनोहर सवेरा जगाना चाहता है।

---

(2)

पुष्प-पुष्प से तंद्रालस लालसा खींच लूँगा मैं
अपने नवजीवन का अमृत सहर्ष सींच दूंगा मैं,
द्वार दिखा दूँगा फिर उनको।
हैं मेरे वे जहाँ अनन्त-
अभी न होगा मेरा अन्त।

Question 1.
प्रत्येक पुष्प से कवि क्या खींच लेगा ?
(a) तन्द्रा
(b) रस
(c) तन्द्रा में डूबे हुए आलस्य को खींच कर उसे सक्रिय कर देगा
(d) सक्रियता

▼ Answer

Answer: (c) तन्द्रा में डूबे हुए आलस्य को खींच कर उसे सक्रिय कर देगा।

Question 2.
प्रत्येक पुष्प का आलस्य दूर करने के बाद कवि क्या करेगा ?
(a) उसे नए जीवन के अमृत से भी सींच देगा ताकि उसमें नया जोश भर जाए
(b) आराम करेगा

(c) अपना प्रचार करेगा
(d) उपवन का घास दूर करेगा

▼ Answer

Answer: (a) उसे नए जीवन के अमृत से भी सींच देगा ताकि उसमें नया जोश भर जाए।

Question 3.
'तन्द्रालस पुष्प' कौन हो सकता है ?
(a) आलसी व्यक्ति
(b) मुरझाया हुआ फूल
(c) उजाड़ बगीचा
(d) भारत का युवा वर्ग 'तन्द्रालस पुष्प' हो सकता है

▼ Answer

Answer: (d) भारत का युवा वर्ग 'तन्द्रालस पुष्प' हो सकता है।

Question 4.
कवि कौन-सा द्वार दिखाने की बात करता है ?
(a) मुख्य द्वार
(b) अमरता का द्वार
(c) अनजाना द्वार
(d) सिंह द्वार

▼ Answer

Answer: (b) अमरता का द्वार

Question 5.
'तन्द्रालस' का सन्धि-विच्छेद है
(a) तन्द्रा + लस
(b) तन्द्र + अलस
(c) तन्द्र + अलस
(d) तन्द्रा + आलत

▼ Answer

Answer: (b) तन्द्रा + अलस

अभ्यास प्रश्न

Question 1.
कवि फूल-फूल से क्या खींच लेना चाहता है ?

▼ Answer

Answer: तंद्रालस लालसा को।

Question 2.
कवि उन फूलों को किससे सींचना चाहता है ?

▼ Answer

Answer: नव-जीवन के अमृत से।

Question 3.
'प्रत्यूष' शब्द का क्या अर्थ है

▼ Answer

Answer: प्रातःकाल।

Question 4.
कवि क्यों कहता है कि मेरा अंत अभी नहीं होगा ?

▼ Answer

Answer: कवि के जीवन में अभी-अभी वसंत आया है ?

Question 5.
हरे-हरे पात किसका प्रतीक हैं?

▼ Answer

Answer: जीवन की खुशियों का।